समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

भारत का नया सुरक्षा कवच : मिशन सुदर्शन चक्र की हुई शुरुआत, ISRO और न्यूक्लियर प्लांट्स रहेगें अभेद्य

Publisher

Published on 19 Sep 2025

भारत ने अपनी रक्षा रणनीति में एक और बड़ा कदम उठाया है। "**मिशन सुदर्शन चक्र**" नामक महत्वाकांक्षी परियोजना की औपचारिक शुरुआत हो गई है। यह मिशन दुश्मनों के हमलों को निष्फल करने और भारत की महत्वपूर्ण रक्षा एवं वैज्ञानिक संस्थाओं को अभेद्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

इसकी शुरुआत रक्षा मंत्री **राजनाथ सिंह** के सामने एक विस्तृत प्रेजेंटेशन के साथ हुई। रक्षा मंत्रालय ने मिशन को "भारत के दुश्मनों का काल" बताया है।

समिति का गठन और योजना

मिशन की शुरुआत के साथ ही सरकार ने एक **उच्च स्तरीय समिति का गठन** किया है। इस समिति में रक्षा विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, सैन्य अधिकारी और रणनीतिक विश्लेषक शामिल होंगे। इसका उद्देश्य होगा:

1. मिशन की तकनीकी क्षमताओं को विकसित करना।
2. रक्षा प्रणालियों और वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान करना।
3. आने वाले खतरों और संभावित हमलों की रणनीति बनाना।

ISRO और न्यूक्लियर प्लांट्स रहेगें सुरक्षित

मिशन सुदर्शन चक्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह **ISRO (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन)** और **भारत के न्यूक्लियर प्लांट्स** को अभेद्य सुरक्षा कवच प्रदान करेगा। ISRO भारत की अंतरिक्ष शक्ति का प्रतीक है और उसकी सुरक्षा

राष्ट्रीय हितों से जुड़ी है। भारत के न्यूक्लियर प्लांट्स ऊर्जा उत्पादन और रणनीतिक सामर्थ्य दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस मिशन से यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी बाहरी या साइबर हमला इन संस्थानों को नुकसान न पहुँचा सके।

क्यों जरूरी है मिशन सुदर्शन चक्र ?

पिछले कुछ वर्षों में दुनिया भर में **साइबर अटैक, ड्रोन हमले और मिसाइल खतरों** में तेजी आई है। भारत की बढ़ती अंतरिक्ष क्षमताओं ने उसे वैश्विक स्तर पर एक मजबूत शक्ति बनाया है। लेकिन इसके साथ ही यह खतरा भी बढ़ा है कि दुश्मन देश और आतंकी संगठन भारत के रणनीतिक संसाधनों को निशाना बना सकते हैं। विशेषकर न्यूक्लियर प्रतिष्ठानों की सुरक्षा हर हाल में प्राथमिकता पर होनी चाहिए।

इन्हीं चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए मिशन सुदर्शन चक्र की योजना बनाई गई है।

प्राचीन प्रतीक और आधुनिक तकनीक का मेल

इस मिशन का नाम "**सुदर्शन चक्र**" रखा गया है, जो हिंदू पौराणिक कथाओं में भगवान विष्णु का सबसे शक्तिशाली अस्त्र माना जाता है। यह नाम भारतीय परंपरा और शक्ति का प्रतीक है। आधुनिक तकनीक और प्राचीन प्रतीक का यह संगम देश की सुरक्षा नीति में आत्मविश्वास और संकल्प का संदेश देता है।

मिशन की संभावित क्षमताएँ

हालांकि मिशन से जुड़ी तकनीकी जानकारी गोपनीय रखी गई है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक यह एक **मल्टी-लेयर डिफेंस सिस्टम** होगा। इसमें **एंटी-ड्रोन और एंटी-मिसाइल तकनीक** शामिल होगी। साइबर सुरक्षा के लिए **उन्नत एन्क्रिप्शन और निगरानी प्रणाली** तैनात की जाएगी। भविष्य में यह मिशन भारत की **स्पेस और न्यूक्लियर सुरक्षा रणनीति** का मुख्य आधार बन सकता है।

अंतरराष्ट्रीय महत्व

मिशन सुदर्शन चक्र केवल भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी एक महत्वपूर्ण संदेश है। यह दर्शाता है कि भारत अब किसी भी **सैन्य या तकनीकी खतरे** को हल्के में लेने वाला देश नहीं है। चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों के संदर्भ में यह कदम भारत की रक्षा क्षमताओं को और मजबूत करेगा। अमेरिका, रूस और इज़राइल जैसे देशों ने पहले से ही इस तरह के उन्नत सुरक्षा मिशन बनाए हैं, अब भारत भी उसी श्रेणी में शामिल हो रहा है।

रक्षा मंत्री का संदेश

मिशन की लॉन्चिंग के मौके पर रक्षा मंत्री **राजनाथ सिंह** ने कहा कि यह मिशन भारत की **राष्ट्रीय सुरक्षा नीति मे ऐतिहासिक मील का पत्थर** है। यह न सिर्फ हमारे वैज्ञानिक और परमाणु प्रतिष्ठानों को सुरक्षा देगा, बल्कि हमारे दुश्मनों को भी स्पष्ट संदेश देगा। भारत अब **रक्षात्मक के साथ-साथ आक्रामक रणनीति** अपनाने के लिए भी तैयार है।

विशेषज्ञों की राय

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह मिशन आने वाले वर्षों में भारत की **रणनीतिक श्रेष्ठता** को सुनिश्चित करेगा। **साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों** के अनुसार, इस मिशन का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि भारत साइबर अटैक के खिलाफ और अधिक सक्षम हो जाएगा। **रणनीतिक विश्लेषकों** का कहना है कि भारत के पास अब अपने महत्वपूर्ण संसाधनों की सुरक्षा के लिए घरेलू स्तर पर विकसित प्रणाली होगी।

मिशन सुदर्शन चक्र भारत की सुरक्षा व्यवस्था को नए युग में ले जाने वाला कदम है। यह सिर्फ एक तकनीकी परियोजना नहीं, बल्कि **भारत की सामरिक शक्ति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक** है।

ISRO और न्यूक्लियर प्लांट्स जैसे संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में से एक है। इस मिशन की शुरुआत से यह स्पष्ट हो गया है कि भारत अब अपनी सुरक्षा रणनीति को अगले स्तर पर ले जा चुका है।

आने वाले समय में जब मिशन सुदर्शन चक्र पूरी तरह सक्रिय होगा, तब यह न सिर्फ भारत के दुश्मनों के लिए **काल साबित होगा**, बल्कि वैश्विक मंच पर भी भारत की **सुरक्षा और रणनीतिक क्षमता** की गूंज सुनाई देगी।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.